VISION IAS

www.visionias.in

31 AUG 2019

GENERAL STUDIES (TEST CODE: 1245)

Name of Candidate	Bhanu Pratap Singh		
Medium Eng./Hindi	Hindi	**Registration Number**	635609
Center	MN, Delhi	**Date**	31/08/19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** Highlighting the attributes of leadership, analyse why it is important for a civil servant. **(10)**

नेतृत्व (लीडरशिप) के गुणों पर प्रकाश डालते हुए, विश्लेषण कीजिए कि यह एक सिविल सेवक के लिए महत्वपूर्ण क्यों है।

नेतृत्व किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विद्यमान वह गुण है, जो उसे कर्मठ, साथ होने की क्षमता तथा प्रबंधन में कुशल बनाता है।

एक प्रभावशाली नेतृत्व के गुण इस प्रकार हैं: –

- वचनबद्धता: – जो नेता को भरोसेमंद बनाती है।
- अग्रणीयता: – जो नेतृत्व को लोगों की लामबंदी करने का अवसर देती है।
- भावनात्मक प्रज्ञा (EI) – जो जनता व स्वयं की भावनाओं के संबंध में तालमेल संभव बनाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके अलावा नेतृत्व को वस्तुनिष्ठता एवं समानुभूति जैसे गुणों से भी युक्त होना चाहिए।

सिविल सेवक के लिए महत्वपूर्ण क्यों?

- एक सिविल सेवक लोक कल्याणकारी राज्य का एक अभिकर्ता है। अगर वह नेतृत्व के गुणों को धारण करता है, तो उसकी कार्यवाहियों में जनकेन्द्रिकता, विश्वसनीयता पैदा होगी।

- इसके अलावा सरकार व जनता (G to P) के बीच की दूरी भी कुशल नेतृत्व से युक्त सिविल सेवक द्वारा भी कम की जा सकती है।

अतः नेतृत्व जैसे गुणों को उचित वातावरण व अनुकूल प्रशिक्षण देकर पल्लवित किया जा सकता है।

---

1. **(b)** A civil servant needs to be objective as well as empathetic. What do you understand by objectivity? Discuss its relationship with empathy. **(10)**

सिविल सेवक को वस्तुनिष्ठ होने के साथ-साथ समानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए। वस्तुनिष्ठता से आप क्या समझते हैं? समानुभूति के साथ इसके संबंधों की विवेचना कीजिए।

वस्तुनिष्ठता एवं समानुभूति सिविल सेवक हेतु बुनियादी आधारभूत गुण हैं।

वस्तुनिष्ठता से तात्पर्य है कि निर्णय लेते समय पूर्वाग्रहों एवं धारणाओं से मुक्त होकर तथ्यों एवं प्रमाणों के आधार पर निर्णय लेना।

एक सिविल सेवक अगर वस्तुनिष्ठ है तो उसकी नीतियाँ व कार्यवाहियाँ निष्पक्ष, विश्वसनीय एवं कल्याणकारी होंगी और जनता का शासन में विश्वास बढ़ेगा।

समानुभूति वह स्थिति है जब कोई व्यक्ति स्वयं की मनोस्थिति को दूसरे के स्तर पर ले जाकर सोचता है और उसकी पीड़ा को अपनी पीड़ा समझता है। इसमें 'मैं' तथा 'तुम' (I & You) का समाप्त होकर 'हम' (We) का भाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवश्यकता होती है। उदा० के लिए परीक्षा में फेल मित्र से हमारे मित्र की उसकी मनोस्थिति को समझकर रखकर की गई बातें।

वस्तुनिष्ठता व समानुभूति : संबंध

- अगर एक सिविल सेवक तर्कों एवं प्रमाणों पर आधारित निर्णय लेता है तो इस हेतु आवश्यक है कि ~~उस~~ वह सामने वाले की मनःस्थिति को समझे।
- और दूसरों की मनःस्थिति को समझने हेतु समानुभूति की जरूरत होती है।

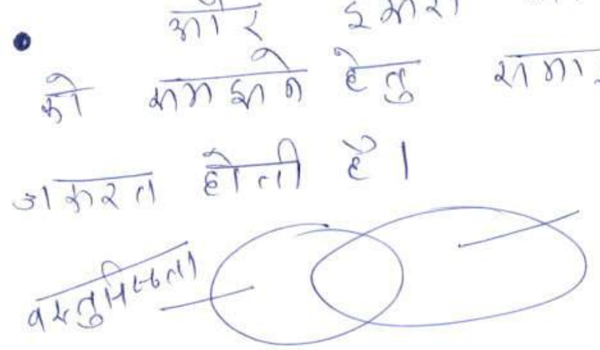

कुल मिलाकर वस्तुनिष्ठता व समानुभूति अन्योन्याश्रित हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With rapidly increasing use of information technology, what according to you is the role of ethics in cyber space? **(10)**

सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ, आपके अनुसार साइबर जगत में नीतिशास्त्र की क्या भूमिका है?

चौथी औद्योगिक क्रांति ने साइबर जगत में नवीन नैतिक मुद्दों को जन्म दिया है। इस आलोक में साइबर जगत में नीतिशास्त्र की भूमिका इस प्रकार है :—

- मानवीय विवेक :- अगर विवेक (sense) मशीनों में आ गया तो मनुष्य बनाम मशीन संघर्ष उत्पन्न हो सकता है। उदा० के लिए जारविस, सोफिया जैसे ह्यूमनाइड।

- मानवीय अस्तित्व : गाँधी जी के अनुसार मानव 'साध्य' है, 'साधन' नहीं अतः मशीनों पर निर्भरता हमारे अस्तित्व के समक्ष प्रश्नचिन्ह लगा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- विनाशात्मक शक्ति - दोहरी चुनौती वाली हथियार जैसी ऐसी ऑटोनामस मिसाइल साइबर जगत में नैतिक रूप से नवीन नैतिकता की मांग की वकालत करती है।

इसीलिए नीतिशास्त्र को चाहिए कि वह मानवीय विवेक, अस्तित्व व स्वतंत्रता के आधार पर साइबर जगत संचालित हो।

अगर इनमें नीतिशास्त्रीय पहलुओं का पालन नहीं रखा जाएगा तो स्थिति मानवीय अस्तित्व के प्रतिकूल जा सकती है।

अतः नीतिशास्त्रीय दृष्टिकोण वर्तमान समय की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Transparency in government organisations is an essential pre-condition for good governance. Elucidate. **(10)**

सरकारी संगठनों में पारदर्शिता सुशासन की आवश्यक पूर्वापेक्षा है। स्पष्ट कीजिए।

सुशासन सरकारी नीतियों का जनता तक पारदर्शिता, एकता, मितव्ययता एवं प्रभावशीलता इत्यादि के साथ पहुँचना है।

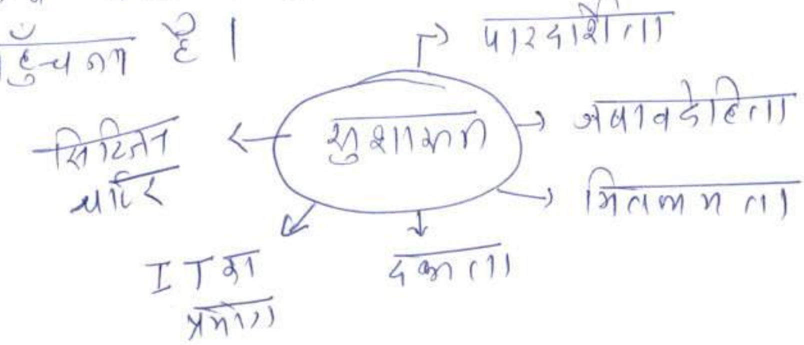

इस हेतु पारदर्शिता एक पूर्वापेक्षा है :—

- पारदर्शिता होने पर जनता नीतियाँ पब्लिक डोमेन में रखी होती हैं। और शासन में खुलापन आता है।

- उदाहरण के लिए RTI Act 2005 के तहत सरकारी आँकड़ों तक लोगों की पहुँच होने से सब लोग अधिकारियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को जवाबदेही बनाने लगे है।

- पारदर्शिता एक बेहतर कार्य-शैली का निर्माण करके सुशासन की स्थापना में मदद करती है।

- इसके अलावा जब नीतियों से संबंधित खुलापन होता है, तो विश्वसनीयता एवं अंतःक्रिया बढ़ती है, जो शासन में उत्पादकता में वृद्धि करती है।

कुल मिलाकर पारदर्शिता सुशासन का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए इनके क्या निहितार्थ हैं:

(a) A nation should not be judged by how it treats its highest citizens, but its lowest ones. Nelson Mandela **(10)**

राष्ट्र का आंकलन इस बात से नहीं किया जाना चाहिए कि वह अपने श्रेष्ठतर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए कि वह अपने निम्नतर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। - नेल्सन मंडेला।

किसी राष्ट्र का निर्माण उसके सभी नागरिकों (गरीब, अमीर, महिला, पुरुष, बच्चे, गोरे, काले इत्यादि) से होता है। इसीलिए मंडेला जी का यह कथन राष्ट्र आकलन का पैमाना है :—

- अगर राष्ट्र अपने बहुसंख्यक नागरिकों (जो श्रेष्ठ नस्ल, जाति इत्यादि का दावा करते हैं) के हितों की पूर्ति करता है, तो वहां गृह युद्ध, विभाजन देखा जा सकता है। उदा० के लिए पूर्वी पाकिस्तान के बांग्ला भाषियों पर अत्याचार

- अगर राष्ट्र अपने वंचित नागरिकों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के प्रति समानता व समानुभूति का व्यवहार नहीं करता तो वंचित तबका आंदोलन करने लगेगा। जैसा - अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग के नेतृत्व में हुआ।

- लेकिन राष्ट्र का वास्तविक मूल्यांकन का पैमाना है कि वह अपने वंचित एवं निम्नतर नागरिकों के प्रति कैसा व्यवहार करता है। वहीं राष्ट्र प्रगतिशील व शाश्वत रहे हैं जो अपने नागरिकों को गरिमापूर्ण जीवन व समावेशी रणनीतियां दे पाए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** The highest education is that which does not merely give us information but makes our life in harmony with all existence. Rabindranath Tagore **(10)**

श्रेष्ठतम शिक्षा वह है जो न केवल हमें जानकारी प्रदान करती है, अपितु सभी के अस्तित्व के साथ हमारे जीवन का सामंजस्य भी स्थापित करती है। - रवींद्रनाथ टैगोर

शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास का आधार है।

- रवींद्रनाथ टैगोर का यह कथन वास्तव में शिक्षा की समग्र उपयोगिता पर प्रकाश डालता है।

- शिक्षा हमें सूचनाओं, तकनीकों, नवीन विचारों इत्यादि से परिचित करती है। वर्तमान समय में गूगल व विकीपीडिया की मदद से शिक्षा अनेक जानकारियाँ प्रदान कर रही है।

- RTI Act 2005 की मदद से एक शिक्षित व्यक्ति सरकार से संबंधित जानकारी माँग सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- इसके अलावा यह हमें विरोधी विचारों, खान-पान, भाषा, लिंग इत्यादि के प्रति सहिष्णु व पूर्वाग्रह मुक्त होने में भी मदद करती है।

- नेल्सन मंडेला का कथन है कि "शिक्षा वह शक्तिशाली हथियार है जिससे संसार को बदला जा सकता है।"

- इस प्रकार शिक्षा समाज में अभूतपूर्व क्रांति ला सकती है।

सार यही है कि शिक्षा श्रेष्ठतम, उत्तम व विचारवान होनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** For achieving success, attitude is equally, if not more important than ability. Discuss with the help of examples from your daily life. **(10)**

सफल होने के लिए, अभिवृत्ति क्षमता से अधिक नहीं तो, क्षमता जितनी ही महत्वपूर्ण है। अपने दैनिक जीवन के उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

अभिवृत्ति सामान्यीकरण के दौरान किसी का वह आधार है जो पसंद-नापसंद तथा मूल्यांकन करती है, वहीं क्षमता व्यक्ति की शक्तियों का इशारा मात्र है।

- अभिवृत्ति यह निर्धारित करेगी कि व्यक्ति किस तरह निर्णय लेगा। अगर व्यक्ति जीवन में त्याग, सेवा, क्षमा जैसे मूल्यों का झुकाव है तो वह सकारात्मक कार्यवाही (+ve Approach) अपनाएगा। उदा० के लिए गांधी व हिटलर

- मैंने अपने जीवन की विकलता को देखा है जहाँ इसके संस्कृति में बाधा संकट व चुनौतियों, वहीं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उसने विज्ञान और भावना ऐसी आकृति का निर्माण करती है, जो जनता के शत-प्रतिशत उपयोग पर आधारित है।

अतः जनता व आकृति दोनों मिलकर व्यक्ति की ऊर्जा को अधिक तीव्र व उत्पादक बना देती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** The core of high Emotional Intelligence is self-awareness. If you don't understand your own motivations and behaviours, it is nearly impossible to develop an understanding of others. Discuss with the help of appropriate examples. **(10)**

उच्च भावनात्मक समझ का मूल आत्म-जागरुकता है। यदि आप स्वयं की अभिप्रेरणाओं और व्यवहार को नहीं समझते हैं, तो दूसरों की अभिप्रेरणाओं और व्यवहारों की समझ विकसित करना लगभग असंभव है। उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

EI वास्तव में भावनाओं का प्रबंधन है। यह आत्म जागरूकता व स्वयं की भावनाओं की पहचान एवं इन्हें समझने से जुड़ा हुआ है।

EI
↓
अपनी भावनाओं की जानकारी
↓
आत्म-जागरूकता
↓
स्वयं की कमजोरियों व ताकतों से परिचय
↓
आवेगों पर नियंत्रण
↓
ये दूसरों के भावनाओं को समझने में मदद करेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇓

योगासन, व्यायाम, चिंतन इत्यादि

\+

साहित्य, अच्छी पुस्तकें

⇓

अपनी कमियों का ज्ञान।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** What do you understand by Integrity Pacts? Highlight the role they can play in bringing transparency in allotment of public contracts and ensuring proper utilization of public funds in India. **(10)**

सत्यनिष्ठा समझौता (इंटीग्रिटी पैक्ट्स) से आप क्या समझते हैं? भारत में सार्वजनिक अनुबंधों के आवंटन में पारदर्शिता लाने और सार्वजनिक निधि के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने में इसके द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका पर प्रकाश डालिए।

केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली 1964 [CCS conduct) Rules 1964) के तहत 'Maintain Absolute Integrity' की बात कही है।

यह वास्तव में सत्यनिष्ठा समझौता का आधार है। सैद्धांतिक व व्यावहारिक स्तर सत्यनिष्ठा की किस बिना इस भावना से समझौता इंटीग्रिटी पैक्ट्स सत्यनिष्ठा का पालन कराते है। (eg) एक इंजीनियरिंग द्वारा सड़क निर्माण में घटिया सामग्री यूज करने पर उसे पुनः सड़क निर्माण करने को कहना अन्यथा कार्यवाही के लिए राजी रहने को कहना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ यह हितों के टकराव को रोकेगी
→ प्राथमिकता के आधार पर संसाधनों का आवंटन करेगी
→ हित संघर्ष में कमी आएगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) In the context of rapid technological change, discuss the significance of inculcating moral and spiritual values in educational institutions. (10)

द्रुत गति से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों के संदर्भ में, शैक्षणिक संस्थानों में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के महत्व की विवेचना कीजिए।

वर्तमान सोशल मीडिया व उद्योग 4.0 के युग में शैक्षणिक संस्थानों में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व निम्न है: —

- देशभक्ति का मूल्य ताकि राष्ट्र की संप्रभुता व अखण्डता का संरक्षण
- पर्यावरण संरक्षण का मूल्य - ताकि ई-कचरे का उपचार किया जा सके।
- लैंगिक समानता व नस्लीय समानता का मूल्य ताकि बलात्कार, ट्रोलिंग इत्यादि को रोका जा सके।
- सहिष्णुता का मूल्य ताकि विरोधी विचारों के प्रति भी सम्मान प्रकट किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Explain the main elements of integral humanism as propounded by Deen Dayal Upadhyay and highlight its contemporary relevance. (10)

दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद के मुख्य तत्वों की व्याख्या कीजिए और इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

'एकात्म मानववाद' दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित महत्वपूर्ण दर्शन है। इसके मुख्य तत्व इस प्रकार हैं:-

- उपाध्यायजी के अनुसार जहाँ समाजवाद सिर्फ 'समाज' को वरीयता देता है वहीं पूँजीवाद सिर्फ 'व्यक्ति' को।
- दोनों ही अतिवाद से ग्रस्त हैं।
- इसी तरह भारत का आध्यात्मवाद जहाँ 'भौतिक उन्नति' की बात करता है, वहीं पश्चिमी भौतिकवाद सिर्फ 'भौतिक विकास' की।
- एकात्म मानववाद उपरोक्त एक आयामी धारणाओं को समावेशित करके (समाज + व्यक्ति + भौतिक + आध्यात्मिक) संपूर्ण कल्याण की बात करता है। यह व्यक्ति → परिवार → समाज → राष्ट्र → पृथ्वी → ब्रह्माण्ड तक विस्तृत होकर सार्वभौमिक कल्याण की बात करता है।

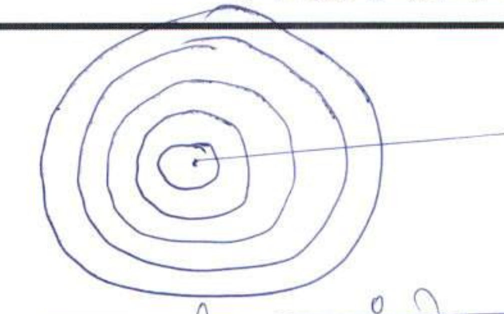

एकात्म मानववाद

समकालीन प्रासंगिकता :-

- वर्तमान में खुशी (Happiness) भौतिक व नैतिक दोनों आयामों से आती है। यह दर्शन 'वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स' के मानकों के अनुकूल है।
- पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं को इसकी मदद से हल किया जा सकता है।
- गरीबी, भुखमरी को समाजवाद व पूँजीवाद के सम्मिलित एप्रोच से काबू में किया जा सकता है।
- धार्मिक कट्टरतावाद, आतंकवाद, भीड़ हिंसा को व्यक्ति व समाज दोनों को समान महत्व देकर हल किया जा सकता है।

सार यही है एकात्म मानववाद इहलोक व परलोक दोनों को समाहित करके संपूर्ण सृष्टि के कल्याण की बात करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. It is imperative for a country like India, that code of ethics should be implemented for civil servants on social media platforms as well. Discuss. **(10)**

भारत जैसे राष्ट्र में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी सिविल सेवकों हेतु आचार संहिता लागू किया जाना अत्यावश्यक है। चर्चा कीजिए।

सोशल मीडिया वर्तमान समय में सरकार, समाज, जनता व सिविल सेवकों के व्यवहार एवं कार्यों को गहराई से प्रभावित करता है।

आवश्यकता

- वर्तमान में अनेक सिविल सेवक प्रतिष्ठा व नाम के लिए सोशल मीडिया पर सरकारी नीतियों के खुलासे करते पाए गए हैं।

- इसके अलावा यह 'अनामिता का सिद्धांत' के विरुद्ध है। जो लोक सेवक को स्वहित आत्मरहित भाव बिना प्रसिद्धि की चाह के काम करने पर जोर देता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिविल सेवकों हेतु आचार संहिता लागू होने के प्रभाव

सकारात्मक ↓ | नकारात्मक ↓

- सरकारी नीतियों का दुरुपयोग रुकेगा।
- असहमतियों को वैद करने से समाधान करना ज्यादा बेहतर है।
- 'अनामिता के सिद्धांत' का पालन

- Art 19(1) के विरुद्ध
- एक सिविल सेवक सिर्फ सिविल सेवक ही नहीं उसका व्यक्तिगत जीवन भी है।

क्या किया जाए?

एक ऐसी मध्यमार्गी आचार संहिता की जरूरत है जो सिविल सेवकों को सिविल सेवा (आचरण) नियमावली 1964 तथा उनके मानवाधिकारों के अनुकूल हो। यथा- व्यक्तिगत अकाउंट की बजाए पद के नाम से अकाउंट हो — DM (जिला का नाम) से अकाउंट हो।

अतः वर्तमान में सोशल मीडिया आचार संहिता को भी CCS (conduct) Rules 1964 में शामिल करना समय की मांग है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Discuss how effective corporate governance can ensure the equitable treatment of all stakeholders. **(10)**

चर्चा कीजिए कि किस प्रकार प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस सभी हितधारकों के साथ न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित कर सकती है।

कंपनियों के शासन में पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं लोक कल्याण की भावना को मूर्त रूप देने हेतु कॉर्पोरेट गवर्नेंस की व्यवस्था की गई है। इसकी जड़ें कंपनी अधि. 2013 में निहित है।

यह निम्न प्रकार सभी हितधारकों के साथ न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित कर सकती है:—

1) व्यक्ति को नहीं संगठन को महत्वपूर्ण मानकर कॉर्पोरेट गवर्नेंस संगठनात्मक मूल्यों को स्थापित करती है। फलत: संगठन से जुड़े सभी व्यक्ति अपनापन महसूस करके सहयोगात्मक रवैया अपनाते है।

2) कंपनी के संचालन में प्रभावी नियमों, विनियमों एवं कानूनों को सुनिश्चित करके कॉर्पोरेट गवर्नेंस

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

न्याय एवं तार्किकता प्रदान करती है।

3) लोक-कल्याणकारी कार्यों पर अपने 3 वर्ष के निवल लाभ का 2% व्यय करके यह उन हितधारकों को भी सामाजिक न्याय प्रदान करती है जो अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी से जुड़े हैं। जैसा - पर्यावरण, आम जनता, नागरिक समाज।

4) इसके अलावा बेहतर कार्य संस्कृति (work culture) के माध्यम से यह सभी हितधारकों को एक साथ आने का मौका देकर न्याय सुनिश्चित करती है।

कुल मिलाकर बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस बेहतर शासन की रीढ़ है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are posted as the Superintendent of Police (SP) in a district of a state where alcohol prohibition has been imposed recently. The District Excise department has conducted many raids and seized liquor in large quantities, for which it has received state-wide public appreciation. A few months later reports surface in the media that in this district, hundreds of seized bottles of illicit liquor are missing from the government malkhanas or stores. As a result, the government is left red-faced. You are asked by the DM, who is the overall in-charge of the district excise setup, to investigate the matter. Upon investigation, you unearth a nexus of politicians and government officials who smuggled seized liquor and sold it through spurious means both inside and outside the state.

In this context, evaluate these options:

1. Report your findings to the DM and seek instructions for further actions, stating clearly the criminal offences committed prima facie.
2. Charge all accused under legal provisions and let the law take its own course.
3. Being aware of the seriousness of the matter, discretely put the detailed investigation report in the public domain and expose the nexus.

Also, suggest, without restricting yourself to the given options, the final course of action that you would prefer. **(20)**

आप हाल ही में मद्यपान निषिद्ध करने वाले एक राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रुप में पदस्थापित किए गए हैं। जिला आबकारी विभाग ने कई छापे मारे और बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है, जिसके लिए उसे राज्यव्यापी सार्वजनिक सराहना मिली है। कुछ महीनों बाद मीडिया में यह खबर आई कि इस जिले में, सैकड़ों अवैध शराब की बोतलें सरकारी मलखाने या स्टोर से गायब हैं। फलस्वरुप, सरकार को शर्मिंदा होना पड़ा। जिला आबकारी ढांचे के समग्र प्रभारी DM द्वारा आपको इस प्रकरण की जाँच का कार्य सौंपा गया है। जाँच करने पर, आपको उन राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों के बीच सांठगांठ का पता चलता है, जो जब्त की गई शराब की तस्करी करते थे और अवैध माध्यमों से उसे राज्य में तथा राज्य के बाहर बेचते थे।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए:

1. अपनी जाँच के परिणाम DM के समाने रखेंगे और स्पष्ट रुप से यह बात बताते हुए कि प्रथम दृष्टया आपराधिक कृत्य किये गए हैं, आगे की कार्यवाही के लिए निर्देश मांगेंगे।

2. सभी अभियुक्तों को कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत आरोपित बनाएंगे और कानून को अपना काम करने देंगे।

3. इस प्रकरण की गंभीरता से अवगत होने के नाते, विस्तृत जाँच रिपोर्ट को अलग से सार्वजनिक डोमेन में रखेंगे और सांठगांठ का खुलासा करेंगे।

साथ ही, दिए गए विकल्पों तक अपने आपको सीमित न रखते हुए, अंतिम कार्यवाही का सुझाव दीजिए जिसे आप वरीयता देंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी में विभिन्न पक्षकार हैं :-

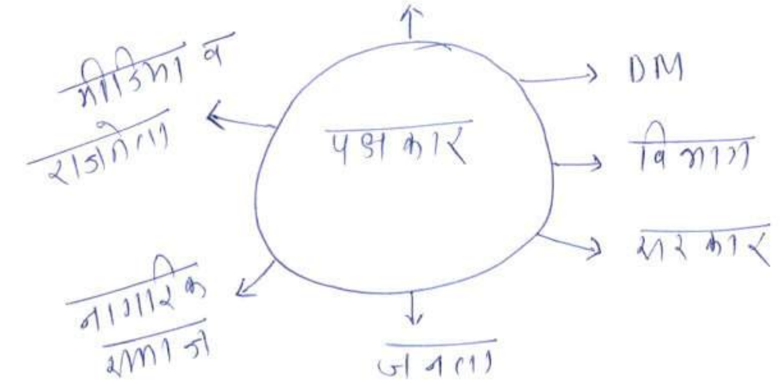

कार्यवाही हेतु निम्न मूल्यों व गुणों का होना अपेक्षित है :-

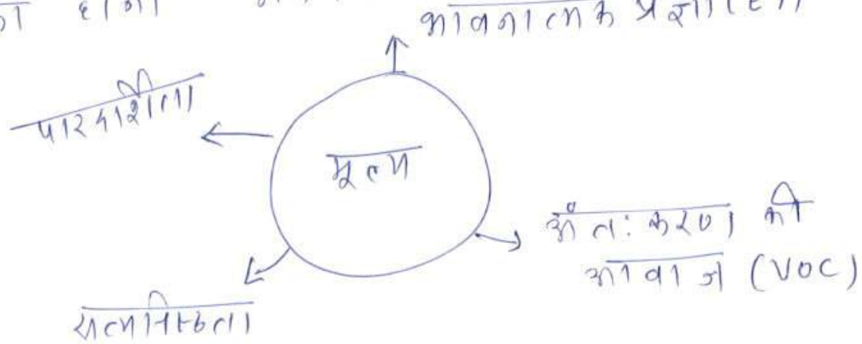

विकल्प-1

गुण: • दोषियों पर कार्यवाही करना आसान होगा।

• SP के तौर पर एक जवाबदेह अधिकारी की छवि स्थापित होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- राजस्व की हानि बचेगी।
- जन-विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी।

(दोष) :-
- मीडिया में बात जाने पर छवि खराब।
- राजनेताओं द्वारा धमकी व प्रताड़ना भी संभव

मूल्यांकन - व्यावहारिक सफल नहीं है।

विकल्प 2

(गुण) →
- अनु. 14 के तहत कानून का राज. स्थापित होगा।
- अन्य लोगों को भी सबक मिलेगा।
- अवैध शराबबंदी पर भी रोक लगेगी।

(दोष) →
- पूर्वाग्रह होने का आरोप संभव है।
- आगे की जाँच का तर्कसंगत ढंग से होने पर भी संदेह है।

मूल्यांकन - यह विकल्प सीमित अर्थों में ही प्रभावी है।

विकल्प - 3

गुण :→
- समस्या का ठीक ढंग से विश्लेषण संभव होगा।
- DRR में सभी हितधारकों से परामर्श करने से विरोध न्यूनतम

दोष :→
- शांत सहमति बनाना आसान नहीं।
- ब्लैकमेल होने का खतरा

मूल्यांकन - सीमित रूप से प्रभावी।

अंतिम कार्यवाही

- जुटाये गए सबूतों की मदद से रिपोर्ट बनाकर उसे DM को समर्पित करूंगा।
- समस्या के समाधान हेतु निम्न उपाय सुझाऊंगा —

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कानूनी एवं प्रशासनिक उपाय
- दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही
- IT का प्रयोग द्वारा निगरानी
- नियमित गश्त

सामाजिक उपाय
- चूँकि नशा → सामाजिक बुराई → मनोवैज्ञानिक मदद → नशा मुक्ति केन्द्र
- यूनिवर्सल हेल्प लाइन नं.

आर्थिक उपाय
- आय के वैकल्पिक रोजगार
- कौशल संबंधी योजनाओं की पहुँच

इस प्रकार उपरोक्त कार्यवाही से समस्या का समाधान दीर्घकालिक व शाश्वत हो सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are posted as a District Magistrate in a Left Wing Extremism (LWE) affected district. The district has witnessed many instances of violence by the naxalites in the past. It has been observed that instances of violence increase as the elections approach. You, as a Returning Officer, are responsible for the smooth conduct of elections. Soon after the announcement of elections, the naxalites gave a call for their boycott and have been threatening people to stay away from them. The people of the district are eager to exercise their voting rights but are scared of the impending acts of violence. Further, with threat to their lives and a low expected turnout, the other electoral officers are also reluctant to go to these areas.

In this context, answer the following:

(a) Identify the civil service values that are crucial for working in such adversities.

(b) Suggest a plan of action to ensure the conduct of free and fair elections in such a situation. **(20)**

आप वामपंथी उग्रवाद (LWE) से प्रभावित एक जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रुप में पदस्थापित हैं। अतीत में यह जिला नक्सलियों द्वारा हिंसा की कई घटनाओं का साक्षी रहा है। यह देखा गया है कि चुनावों के निकट आने पर हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं। एक रिटर्निंग ऑफिसर के रुप में, आप चुनावों के सुचारु संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। चुनावों की घोषणा के शीघ्र बाद, नक्सलियों ने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया है और लोगों को मतदान से दूर रहने की धमकी दे रहे हैं। जिले के लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन हिंसा द्वारा रोड़े अटकाने के कार्यों से भयाक्रांत हैं। इसके अतिरिक्त, अपने जीवन के लिए खतरा और कम अपेक्षित मतदान के कारण, अन्य निर्वाचन अधिकारी भी इन क्षेत्रों में जाने के लिए अनिच्छुक हैं।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) सिविल सेवा के उन मूल्यों की पहचान कीजिए, जो इस तरह की प्रतिकूलताओं में कार्य करने हेतु महत्वपूर्ण हैं।

(b) ऐसी स्थिति में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का संचालन सुनिश्चित करने हेतु एक कार्य योजना का सुझाव दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी में समस्या-विश्लेषण करें तो इस प्रकार है :-

- जिला नक्सल प्रभावित है।
- निकट भविष्य में चुनाव है।
- आम जनता वोट डालने हेतु उत्सुक लेकिन नक्सलियों का भय।
- सरकारी अधिकारियों में भी भय।

महत्वपूर्ण पक्ष इस केस स्टडी में इस प्रकार है :-

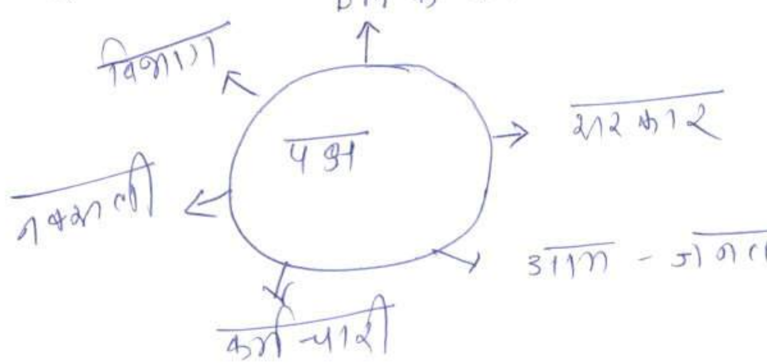

(a) ऐसी प्रतिकूलताओं में काम करने हेतु निम्नांकित सिविल सेवा मूल्यों की जरूरत है :—

- साहस व प्रतिबद्धता :- ताकि अपने सहकर्मी व अधीनस्थ अधिकारियों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शान्ति और जनता में विश्वास पुनः स्थापित किया जा सके।

- लीडरशिप:- ताकि अधिकारियों का नेतृत्व किया जा सके।

- कठोर निर्णय की क्षमता: ताकि हिंसा फैलाने वाले तत्वों से निपटा जा सके।

- जनकेंद्रित मानसिकता व संविधान के प्रति वचनबद्धता ताकि चुनावों का स्वतंत्र, निष्पक्ष संचालन संभव हो।

इसके अलावा भावनात्मक प्रज्ञा (EI), अंतःकरण की आवाज व धैर्य भी विवेकाधीन शक्तियों व नैतिक हल में समाधान प्रदान करने वाले उपयोगी मूल्य साबित हो सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने हेतु कार्य-योजना निम्नलिखित है:-

- सर्वप्रथम कानून-व्यवस्था के स्तर को ठीक करूँगा। पुलिस बल, CAPFs इत्यादि की मदद से शांति का वातावरण का सृजन।
- नाटकों, नुक्कड़ों, सोशल मीडिया एवं गैर-सरकारी संगठनों की मदद से लोकतंत्र-चुनावों की अहमियत के विषय में आम-लोगों में उत्साह का संचार करूँगा।
- नक्सलियों को आत्म-समर्पण करने अन्यथा कार्यवाहियों के लिए तैयार रहने को कहूँगा।
- अधीनस्थ अधिकारियों के साथ गाँव व आस-पास के ऐसे लोगों को लूँगा जो जनता पर प्रभाव रखते हैं ताकि आपात स्थिति को बचाया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जगह-जगह CCTV कैमरा व सेंसरों की मदद से सुरक्षा व्यवस्था का नियमित जायजा।

- डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम से निगरानी ताकि घटना मॉनीटरिंग एवं सांख्यिकी पर ठीक ढंग से नजर रखी जा सके।

- EVM मशीनों की सुरक्षित रूप से तैनाती व चुनाव-पश्चात वापस सुरक्षित रूप से जिला मुख्यालय में पुनर्वापसी।

अतः उपरोक्त बहुआयामी दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न हो सकेगा।

11. You are posted as a District Magistrate in a district, where many large factories and commercial establishments are located. One such factory is owned by one of your close friends. You visit each other's home frequently and are often seen in public together.

Recently, media reported about poor working conditions in your friend's factory. Upon enquiry with the labor office, you come to know that the factory has witnessed frequent labour unrests in the past as well. However, the labour officer told you that he was hesitating to take any action due to your proximity with the owner of the factory. With reference to the facts of the case, answer the following questions:

(a) Identifying the stakeholders and public cause, discuss the ethical issues involved in the case.

(b) As the District Magistrate, what appropriate course of action will you take? Give reasons for the same. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रुप में पदस्थापित हैं, जहाँ कई बड़े-बड़े कारखाने और व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थित हैं। आपका एक घनिष्ठ मित्र ऐसे ही एक कारखाने का स्वामी है। आप प्राय: एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं और अक्सर एक साथ सार्वजनिक रुप से भी देखे जाते हैं।

हाल ही में, मीडिया में आपके मित्र के कारखाने में कार्य की खराब स्थितियों के संबंध में खबरें आई हैं। श्रम कार्यालय से पूछताछ करने पर, आपको पता चलता है कि इस कारखाने में अतीत में बार-बार श्रमिक अशांति देखी गई है। हालांकि, श्रम अधिकारी द्वारा आपको बताया जाता है कि कारखाना मालिक के साथ आपकी निकटता के कारण वह कोई कार्यवाही करने में संकोच कर रहा था। इस प्रकरण के तथ्यों के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हितधारकों और सार्वजनिक हेतुक की पहचान करते हुए, इस प्रकरण में सम्मिलित नैतिक मुद्दों की विवेचना कीजिए।

(b) जिला मजिस्ट्रेट के रुप में, आप क्या उचित कार्यवाही करेंगे? उनका कारण बताइए।

उपरोक्त केस स्टडी में समस्या-विश्लेषण करने पर निम्न तथ्य सामने आते हैं :-

- जिले में बड़े-बड़े कारखाने हैं।
- DM के व्यक्तिगत मित्र के कारखाने में श्रमिक अशांति की शिकायतें।
- DM की निकटता के कारण कार्यवाही नहीं हो पाना।
- श्रम कार्यालय का उदासीन रवैया।

(a) इस केस स्टडी में शामिल हितधारक, सार्वजनिक हित एवं नैतिक मुद्दे इस प्रकार हैं :-

(1) हितधारक :-

- जिला मजिस्ट्रेट (DM) के रूप में मैं स्वयं एक प्रमुख हितधारक हूं। जिसका हित जिला शासन को प्रभावी रूप से संचालित करना है।
- कारखाने का स्वामी जो मेरा मित्र है तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपने लाभ को बनाए रखना उनका प्रमुख हित है।

- श्रम कार्यालय व उनसे संबंध अधिकारी जिनका हित आम-जनता के हित में कार्य करना है।
- जनता व मीडिया भी एक प्रमुख हितधारक है।

(2) सार्वजनिक हेतुक :-

- एक तरफ कारखाना मालिक के हित एवं दूसरी तरफ शासन की जनता के प्रति प्रतिबद्धताएं प्रमुख हेतुक है।

- साथ ही साथ जन-जागरूकता का अभाव, निरक्षरता भी कारक भी है।

(3) नैतिक मुद्दे :-

- सार्वजनिक हित बनाम व्यक्तिगत हित का मुद्दा :- एक तरफ DM के तौर पर मेरी जनता के प्रति प्रतिबद्धताएं हैं तो दूसरी तरफ मित्र के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धताएं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- आर्थिक मुद्दा बनाम मानवाधिकार - आर्थिक हैकल की संभावना है वहीं बाल श्रमिकों के होने की भी संभावना है।

- संगठनात्मक बनाम व्यक्तिगत मुद्दा - कारखाने को महत्व दें या श्रमिकों के कल्याण को।

(b) जिला मजिस्ट्रेट के तौर पर मैं निम्न कार्यवाही करूंगा (कारण सहित) :-

- सर्वप्रथम श्रम कार्यालय में जाकर औचक निरीक्षण करूंगा ताकि वस्तुः स्थिति का पता लगा सकूं।
क्योंकि एक लोक सेवक को सदैव वस्तुनिष्ठता के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

- इसके बाद अगर वहाँ बाल श्रमिक बाल श्रम निषेध का मुद्दा है तो बाल श्रम निषेध अधि के तहत कार्यवाही करूंगा। क्योंकि लोक सेवक के तौर पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~सरकार~~ जन-कल्याण सर्वोपरि है।

- अगर सुरक्षा मानकों एवं न्यूनतम मजदूरी के उल्लंघन संबंधी मामला है तो कड़ी चेतावनी व अधिकतम 15 दिन के ठीक करने की समय-सीमा दूंगा। क्योंकि एक लोक सेवक को संतारात्मकता भावना एवं भावनात्मक प्रज्ञा (EI) से भी काम लेना चाहिए।

- इसके बाद संपूर्ण मामले को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया के सामने रखूंगा। क्योंकि इससे अन्य संस्थानों वालों को भी सबक मिलेगा और नीतियों में भी पारदर्शिता आएगी।

सार यही है कि एक सिविल सेवक को सदैव व्यक्तिगत हितों की बजाय सार्वजनिक हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are a resident of a remote tribal district, where there is high incidence of malnutrition. As a remedial measure, the District Magistrate has initiated a programme to promote millet cultivation, especially on the lands currently lying fallow in the district.

However, this well-intentioned move of the officer receives flak from the local tribals as this may not only change their age-old food habits, but also alter their traditional agricultural practices. They further cite lower remunerative prices of millets as another reason for continuing with their existing crop production pattern.

As a civil servant aspirant, who has a keen interest in development of tribal areas, answer the following questions:

(a) What according to you are the key issues and challenges involved in the above situation?

(b) Identify the key stakeholders and their respective interests.

(c) Suggest a course of action that the District Magistrate can take keeping in mind the larger tribal interests. **(20)**

आप एक ऐसे दूरस्थ जनजातीय जिले के निवासी हैं, जहाँ कुपोषण व्यापक रुप से विद्यमान है। उपचारात्मसक उपाय के रुप में, जिला मजिस्ट्रेट ने विशेषकर वर्तमान में जिले में परती पड़ी भूमि पर बाजरा की खेती प्रोत्साहित करने का कार्यक्रम आरंभ किया है।

हालाँकि, अधिकारी का यह सुविचारित कदम स्थानीय आदिवासियों की ओर से कठोर आलोचना का विषय बन गया है, क्योंकि इससे न केवल उनकी युगों पुरानी खान-पान की आदतें परिवर्तित हो सकती हैं, बल्कि उनकी पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ भी बदल सकती हैं। वे अपने वर्तमान फसल उत्पादन पैटर्न को जारी रखने के लिए एक और कारण के रुप में बाजरा की कम लाभप्रद कीमतों का भी उद्धरण देते हैं।

एक सिविल सेवक अभ्यर्थी के रुप में, जिसकी जनजातीय क्षेत्रों के विकास में गहरी रुचि है, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके अनुसार उपर्युक्त परिस्थिति में सम्मिलित प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ क्या हैं?

(b) प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(c) आदिवासियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकने वाली कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

उपरोक्त केस स्टडी का समस्या विश्लेषण इस प्रकार है :—

⇒ जनजातीय जिले में कुपोषण की गंभीर समस्या।

⇒ बाजरा की खेती को प्रोत्साहन।

⇒ लेकिन विरोध क्योंकि खान-पान परंपरा से छेड़छाड़, तथा भिन्न कीमतें (बाजरे की)

(a) उपर्युक्त परिस्थिति में शामिल प्रमुख मुद्दे एवं चुनौतियां निम्नांकित है :-

(i) मुद्दे

- खाद्य सुरक्षा बनाम परंपरा निर्वहन - एक तरफ कुपोषण की समस्या है तो दूसरी तरफ आदिवासियों की पारंपरिक कृषि पद्धति में हस्तक्षेप है।

- विकास बनाम पर्यावरण - एक तरफ जनजातीय इलाके के विकास की जिम्मेदारी है तो दूसरी तरफ पर्यावरणीय अतिक्रमण का भी खतरा है।

(c) चुनौतियाँ:

- बाजरे की खेती को आकर्षक करने हेतु जनजातीय लोगों को राजी करना।
- स्थानीय विरोध के तीव्र होने की भी चुनौती।
- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी चुनौती है।

(b) इस केस स्टडी में प्रमुख हितधारक एवं उनके संबंधित हित इस प्रकार हैं:-

- स्वयं- एक निवासी व सिविल सेवक स्वयं के रूप में मैं एक प्रमुख अनुभवी हितधारक हूँ। मेरा हित एक तरफ स्थानीय लोगों की भावनाओं से संबद्ध है तो इसरी तरफ सरकार के प्रति एक नागरिक के तौर पर भी है।

- जिला मजिस्ट्रेट: प्रमुख हितधारक है जिनका हित सरकार की लोक कल्याणकारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नीतियों को लागू करना है।

- आदिवासी समाज – जिनका हित अपने जल, जमीन, जंगल से है।

(c) मैं जिला मजिस्ट्रेट महोदय को आदिवासियों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दूँगा:–

- मैं स्वयं एवं स्थानीय जनजातीय नेता जो आदिवासियों एवं सरकार के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी हैं के बीच में लेकर आदिवासियों को समझाऊँगा।
- बाजरा की कीमत का उचित मूल्य मिले इस हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर सरकारी खरीद सुनिश्चित करने हेतु सरकारी प्रतिबद्धता दूँगा।
- कुपोषण के विषय में स्थानीय लोगों से स्वयं व विश्वसनीय लोगों की मदद से जागरूकता।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- परंपरागत को भारत की नई धारणा परिवर्तित करने का प्रयास करेगा कि सरकार हमारी परंपरागत पद्धतियों पर कुठाराघात नहीं कर रही है बल्कि हमारे कल्याण के लिए कार्य कर रही।

- इसके अलावा विचौलियों एवं मध्यस्थों को बीच में न आने की सिफारिश करेगा।

इस प्रकार यह उपागम प्रभावी समाधान साबित होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You have recently been posted as a District Labour Officer in a state, which derives a substantial revenue from tourism. You come to know that a big hotel in the area has not been paying wages as per the Minimum Wages Act. The hotel owner is a powerful local leader having contacts with many influential officials of the state. You have the power to take sou-moto cognizance of such violations and accordingly you initiate a preliminary enquiry into the matter. However, no worker is willing to come forward to lodge a formal complaint because they fear loss of employment. Meanwhile, your action has attracted notice of the higher authorities, and you are advised to drop the matter altogether. You are deeply concerned about the situation as it involves not only violation of the Minimum Wages Act but also denial of basic human rights of the worker.

(a) Identify the issues involved in the given case.

(b) Consider the options given below:

1. Follow the informal advise of the higher authorities.
2. Convince the owner of the hotel to take note of these violations and take appropriate remedial measures.
3. Submit a detailed report on the matter highlighting violations of workers' rights and seek formal directions from the competent authority.
4. Serve a notice to the hotel owner and initiate action as per your powers under the Minimum Wages Act.

Evaluate the merits and demerits of each of these options and suggest your preferred course of action, giving reasons. **(20)**

आपको हाल ही में पर्यटन से अच्छी मात्रा में राजस्व प्राप्त करने वाले एक राज्य में जिला श्रम अधिकारी के रुप में पदस्थापित किया गया है। आपको पता चलता है कि क्षेत्र का एक बड़ा होटल न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुसार वेतन का भुगतान नहीं कर रहा है। होटल स्वामी राज्य के कई प्रभावशाली अधिकारियों से संपर्क रखने वाला एक शक्तिशाली स्थानीय नेता है। आपके पास ऐसे उल्लंघनों का स्वत: संज्ञान लेने की शक्ति है और तदनुसार आप प्रकरण की प्रारंभिक जाँच आरंभ करते हैं। हालांकि, कोई भी श्रमिक औपचारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आने को तैयार नहीं है क्योंकि उन्हें अपने रोजगार से हाथ धोने का डर है। इस बीच, आपकी कार्यवाही ने उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया और आपको इस प्रकरण को पूर्णतया छोड़ देने का परामर्श दिया गया। आप इस स्थिति को लेकर गंभीर रुप से चिंतित हैं क्योंकि इससे न केवल न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि यह श्रमिकों के मूलभूत मानवाधिकारों का हनन भी है।

(a) दिए गए प्रकरण में सम्मिलित मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) नीचे दिए गए विकल्पों पर विचार कीजिए:

1. उच्च अधिकारियों की अनौपचारिक परामर्श का पालन करेंगे।

2. होटल स्वामी को इन उल्लंघनों पर ध्यान देने के लिए मनाएंगे और उचित उपचारात्मक उपाय करेंगे।

3. श्रमिकों के अधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालते हुए इस विषय पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे और सक्षम प्राधिकारी से औपचारिक निर्देश मांगेगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. होटल स्वामी को नोटिस जारी करेंगे और न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अंतर्गत अपनी शक्तियों के अनुसार कार्यवाही करेंगे।

इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए तथा कारण प्रस्तुत करते हुए अपनी पसंद की कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

उपरोक्त केस स्टडी में निम्नांकित पक्षकार हैं :-

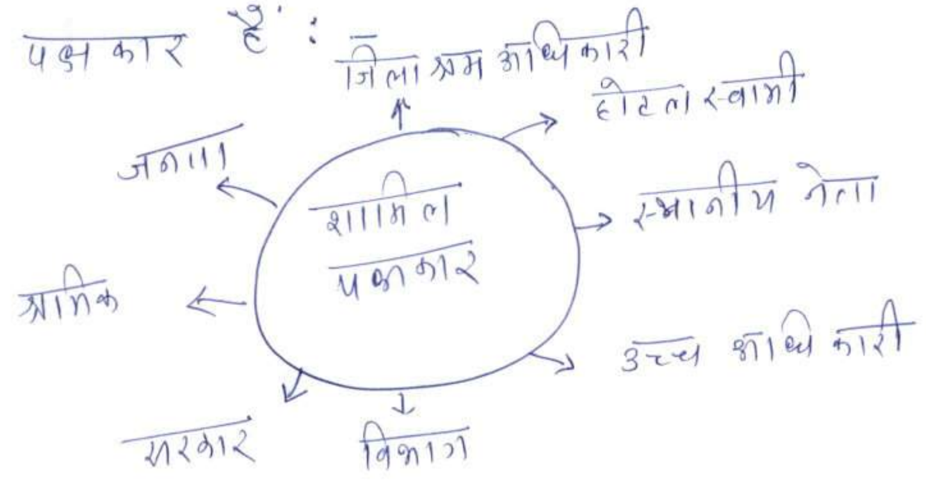

केस स्टडी की विवेचना हेतु निम्न गुण / मूल्य अपेक्षित हैं :-

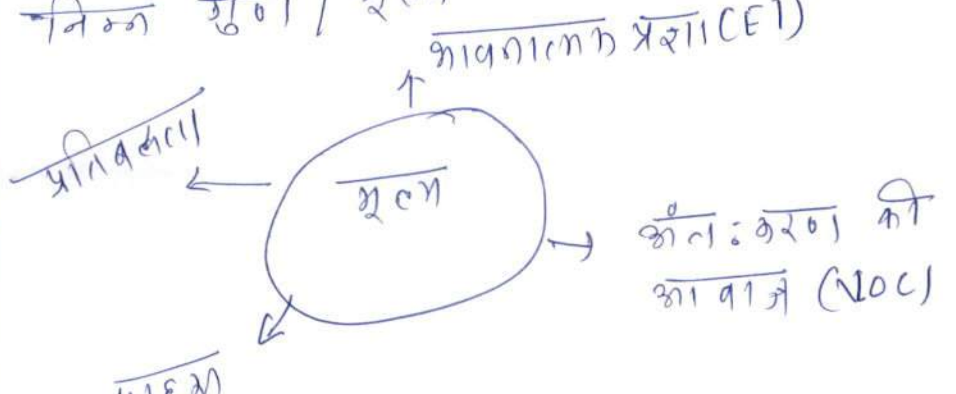

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) केस स्टडी में शामिल मुद्दे इस प्रकार हैं:-

- निरंतर शोषण की स्थिति में भी किसी भी श्रमिक द्वारा शिकायत न किया जाना → भय का वातावरण
- बाल श्रमिकों का मुद्दा
- न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का उल्लंघन होने से श्रमिकों के गरिमापूर्ण जीवन जीने का मुद्दा।
- सार्वजनिक सेवा के प्रतिबद्धता का मुद्दा वहीं अपनी सुरक्षा का मुद्दा।

(b)

(1) उच्च अधिकारियों की अनौपचारिक परामर्श का पालन

गुण
- उच्च अधिकारियों की नजर में सम्मान बढ़ेगा
- मामला दब जाएगा
- बेहतर प्रमोशन

दोष
- सिविल सेवा के बुनियादी मूल्यों के विरुद्ध
- अंतः करण की आवाज के विरुद्ध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निजी हित को महत्व देने के कारण प्रभावी नहीं।

[2] ध्यान + उपचारात्मक उपाय

गुण
- वस्तुःस्थिति का पता लग सकेगा
- कार्यवाही हेतु आधार मिलेगा

दोष
- क्रम व दोषपूर्ण रिपोर्ट
- तथ्य छुपाये जा सकते हैं।

अतः ज्यादा प्रभावी नहीं है क्योंकि होटल मालिक अपने निजी हितों को बलिदान नहीं करेगा।

[3] विस्तृत रिपोर्ट + निर्देश

गुण
- सभी पक्षों पर से पर्दा हट सकेगा
- पर्दे के पीछे काम करने वालों पर कार्यवाही संभव

दोष
- हो सकता है रिपोर्ट ठंडे बस्ते में डाल दी जाए

अतः विशेष उपयोगी नहीं।

(4) होटल स्वामी को नोटिस + कार्यवाही

गुण

- जवाबदेही ठहराया जा सकता है।
- प्रत्यक्ष कार्यवाही → रिकॉर्ड संभव
- मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं
- गरिमापूर्ण जीवन

दोष

- लम्बा समय, डराना संभव

मैं चौथे विकल्प को चुनूँगा क्योंकि यह मुझे सार्वजनिक जीवन में मानवाधिकारों प्रतिबद्धता, लोक-कल्याण एवं के प्रति अमल करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. You are the Chairman of a Committee, constituted by the government, to suggest measures to improve the quality of education in state-run schools. In view of the increasing dropout rate and the widening gap between students' learning ability in state-run and private schools, answer the following questions:

(a) Examine the role of government in the education sector, especially providing primary and secondary education through state-run schools.

(b) Identify the principles and values that would guide your recommendations in this regard.

(c) Suggest some ways in which quality of education in state-run schools can be improved. **(20)**

आप राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु उपाय सुझाने के लिए सरकार द्वारा गठित एक समिति के अध्यक्ष हैं। ड्रॉपआउट (बच्चों द्वारा विद्यालय छोड़ने) की बढ़ती दर और राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों तथा निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य सीखने की क्षमता के बीच बढ़ते अंतर को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) शिक्षा क्षेत्र, विशेष रुप से राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों के माध्यम से प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्रदान करने में सरकार की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

(b) इस संबंध में आपकी अनुशंसाओं का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों और मूल्यों की पहचान कीजिए।

(c) कुछ ऐसे उपाय सुझाइए जिनके माध्यम से राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

उपरोक्त केस स्टडी का समस्या विश्लेषण करने पर निम्न तथ्य सामने आते हैं :-

- शिक्षा गुणवत्ता खराब है।
- ड्रॉप आउट रेट ज्यादा है।

• सरकारी व निजी विद्यालयों के बीच अधिगम क्षमता व शिक्षा गुणवत्ता में अंतराल।

शामिल पक्षकार

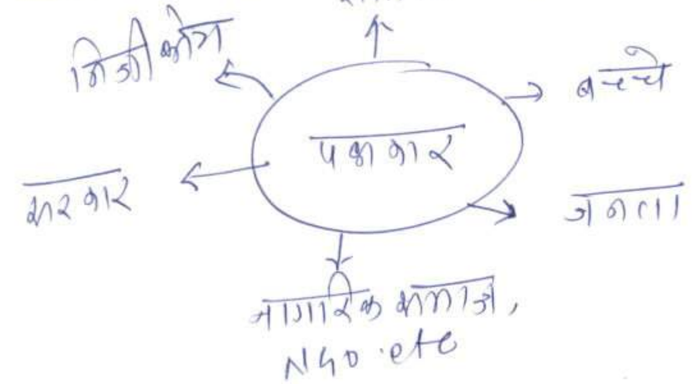

(a) राज्य संचालित विद्यालयों के माध्यम से प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा प्रदान करने में सरकार की भूमिका

⇒ भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है। अतः राज्य को भावी नागरिकों के कल्याण हेतु नीतियाँ बनानी चाहिए।

⇒ Art 21(क) → RTE Act 2009, Art 51(क) व Art 45 शिक्षा से संबंधित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ सरकार शिक्षा के माध्यम से समावेशी विकास की प्रक्रिया को गति देती है।

⇒ लेकिन हाल के समय में सरकारी अध्यापकों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव, बुनियादी ढाँचे की चुनौती इत्यादि समस्याएं हैं।

(b) अनुशीलनों का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांत व रूप :-

- सर्वोदय का सिद्धांत - सभी के कल्याण में व्यक्ति का कल्याण निहित है।
- समावेशिता का सिद्धांत - सबका विकास व सहयोग।
- करुणा व अंतःकरण की भावना को ताकि वंचित वर्गों के प्रति सकारात्मक कार्यवाही की जा सके।

• मानव सेवा व सिविल सेवा समर्पण हेतु

(c) राज्य द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु उपाय :-

• छात्र : शिक्षक अनुपात को ठीक किया जाए।
• अध्यापकों को प्रशिक्षण व कुशल मानव संसाधन।
• आधारभूत ढांचे जैसे कमरे, शौचालय आदि का निर्माण। इस हेतु CSR के रूप में निजी क्षेत्र की मदद ली जा सकती है।
• RTE Act 2009 का दायरा बढ़ाया जाए। इसे प्री स्कूल व 12वीं के बच्चों तक विस्तृत किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- डिजिटल कक्षाओं का समावेश।
- मिड डे मील को ठीक ढंग से क्रियान्वित किया जाए।
- नागरिक समाज, NGO, सोशल मीडिया की मदद से अभिभावकों एवं माता-पिताओं में बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलायी जाए।

सार यही है कि शिक्षा मनुष्य का मूल अधिकार है। अतः समग्र व समावेशी शिक्षा नीतियाँ सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।